

मैथिली / MAITHILI
पेपर II / Paper II
साहित्य / LITERATURE

निर्धारित समय : तीन घंटे

Time Allowed : **Three Hours**

अधिकतम अंक : **250**

Maximum Marks : **250**

प्रश्न-पत्र स्पष्ट निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबासँ पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशकेँ सावधानीपूर्वक पढ़ि लिअ :

एतय दू खण्ड (SECTION) मे विभक्त कुल आठ प्रश्न अछि ।

अभ्यर्थी कुल पाँच प्रश्नक उत्तर देथि ।

प्रश्न संख्या 1 तथा प्रश्न संख्या 5 अनिवार्य अछि । शेष प्रश्नमेसँ कोनो तीन प्रश्नक उत्तर लिखू, जाहिमे प्रत्येक खण्ड (SECTION) सँ कमसँ कम एक प्रश्नक चयन आवश्यक अछि ।

प्रश्न/खण्डक निर्धारित अंक ओकरा समक्ष निर्दिष्ट कयल गेल अछि ।

उत्तर मैथिली (देवनागरी लिपि) मे लिखब अनिवार्य अछि ।

जतय निर्दिष्ट हो, शब्द-सीमाक अनुपालन अपेक्षित अछि ।

उत्तरित प्रश्नक गणना क्रमानुसार कयल जायत । यदि काटल नहि गेल हो तँ अंशतः लिखित उत्तरक गणना सेहो कयल जायत । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिकाक कोनो रिक्त पृष्ठ अथवा कोनो पृष्ठक रिक्त भागकेँ अवश्य काटि दी ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in **MAITHILI** (Devanagari script).

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

Q1. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य अछि । काव्य-वैशिष्ट्यकें निर्दिष्ट करैत निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू, जाहिमे भाव स्पष्ट रहए । (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य) 10×5=50

- (a) आधक आध आध दिठि-अँचल जब धरि पेखल कान ।
कत सत कोटि कुसुम-सरे जरजर रहत कि जाएत परान ॥ 10
- (b) कवरी भये चामरी गिरि कन्दरे
मुख भये चान्द अकासे ।
हरिनि नयन भये स्वर भये कोकिल
गति-भये गज वनवासे । 10
- (c) जाहि बेर जन्म महाप्रभु भेल
तखन अन्धार एहन गोट भेल
सुइ लय बेधिअ गाँथिअ ताग
हाथ छुबिअ तओँ हाथहिँ लाग । 10
- (d) अन्न ने छै, कैचा ने छै, कौड़ी ने छै,
गरीबक नेना कोना पढ़तैक रे ?
उठह कवि, तोँ दहक ललकारा कने,
गिरि-शिखर पर पथिक-दल चढ़तैक रे । 10
- (e) हा रघुनाथ ! अनाथ जकाँ, दशकण्ठ-पुरी हम आइलि छी
सिंहक त्रास महावनमे हरिणीक समान डराइलि छी ॥
चन्द्र-चकोरि अहेँक सदा, हम शोक समुद्र समाइलि छी
देवर-दोष कहू हम की, अपना अपराधसँ काइलि छी ॥ 10

- Q2.** (a) 'दत्त-वत्ती' महाकाव्यमे भारतीय सामाजिक चिन्तन, राष्ट्रीय चेतना ओ सांस्कृतिक गरिमाक चित्रण भेल अछि – स्पष्ट करू । 20
- (b) 'समकालीन मैथिली कविता' मे कविलोकनिक नव्यतम काव्य-चेतना प्रस्फुटित भेल अछि – विवेचन करू । 15
- (c) 'कीचक-बध' मे संस्कृतक परम्परासँ भिन्न आधुनिक प्रणालीक अनुसरण कएल गेल अछि – मूल्यांकन करू । 15

- Q3.** (a) 'यात्री' जीक 'चित्रा' मे यथार्थवादी शैली, ग्राम्य-भाषा ओ मुक्त-वृत्तक प्रयोग भेल अछि – स्पष्ट करू । 20
- (b) विद्यापतिक गीत सभमे शृंगारक उभय पक्ष – संयोग एवं वियोगक चित्र प्रस्तुत भेल अछि – 'विद्यापति गीतशती'क पठित अंशक आधार पर विवेचन करू । 15
- (c) 'गोविन्ददास भजनावली'क पठित अंशक आधार पर प्रमाणित करू जे विद्यापतिक पश्चात् गोविन्ददासक मैथिली साहित्यमे सर्वोपरि स्थान अछि । 15
- Q4.** (a) 'मिथिलाभाषा रामायण'क सुन्दरकाण्डमे सीताक अन्तर्द्वन्द्वक स्वाभाविक चित्रण भेल अछि – विवेचन करू । 20
- (b) मैथिली साहित्यमे 'कृष्णजन्म'क ऐतिहासिक महत्त्व अछि – सयुक्ति विवेचन करू । 15
- (c) 'रमेश्वर चरित मिथिला रामायण'क पठित अंशक आधार पर लालदासक काव्य वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ । 15

SECTION B

Q5. निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू, जाहिमे भाव स्पष्ट रहए । (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य)

10×5=50

- (a) मैथिल चाह तँ ने पिबैए, मीठ पिबैए । कतबो चाहमे चीनी देने रहबै ऊपर सँ एक वा दू चम्मच आर चाही । एहनमे लोक बिकाइये जायत । केहन महगी छै आ चीनी कोना भेटै छै से बुझिते छिए ! 10
- (b) असलमे धरती जोतनिहारक थिक । हरबाहक थिक जे धरतीक असल बेटा थिक । जे अपन पसेनासँ धरती-माता केँ पूजै अछि । कय दिन देखलहक अछि मालिककेँ अपन पसेनासँ धरती-माताक पूजा करैत ? 10
- (c) अहाँक लिखल चारि पाँती चारि सय बेर पढ़लहुँ । तथापि तृप्ति नहि भेल । आचार्यक परीक्षा समीप अछि । किन्तु ग्रन्थमे कनेको चित्त नहि लगैत अछि । सदिखन अहींक मोहिनी मूर्ति आँखिमे नचैत रहै अछि । 10
- (d) जैह भेद रसगुल्ला ओ लड्डूमे छैक । रसगुल्ला सरस ओ कोमल होइछ, लड्डू शुष्क ओ कठोर । रसगुल्ला पूर्वक प्रतीक थीक लड्डू पश्चिमक । तँ हम कहैत छिऔह जे ककरो जातीय चरित्र बुझबाक हो त' ओकर प्रधान मधुर देखी । 10
- (e) पूर्णिमा चान्द अमृत पूरल अइसन मुह । श्वेत पङ्कजकाँ दल भ्रमर वयिसल अइसन आँषि, काजरक कल्लोल अइसन भञ्जुह । 10

- Q6.** (a) 'खट्टर ककाक तरंग' मे तरंगित जतेक उत्कृष्ट हास्य बूझि पड़ैत अछि ताहिसँ बेसी मिश्रण अछि व्यंग्यक – सयुक्ति विवेचन करू । 20
- (b) 'वर्णरत्नाकर'क द्वितीय कल्लोलमे वर्णित विषय-वस्तु एवं ओकर महत्त्वकेँ स्पष्ट करू । 15
- (c) 'पृथ्वीपुत्र' एक सामाजिक उपन्यास थिक जाहिमे जीवनक ओ चित्र उतरल अछि जे सत्य पर आधारित अछि – समीक्षा करू । 15

- Q7.** (a) 'लोरिक-विजय' उपन्यास अपराजेय पौरुषक लोककथा थिक, संगहि आध्यात्मिक जीवन-दर्शन, शैव, बौद्ध, तन्त्र, इत्यादि सांस्कृतिक कथाक समावेश कएल गेल अछि – समीक्षा करू । 20
- (b) 'भफाइट चाहक जिनगी' आदर्शवादी शिक्षित बेरोजगार नवयुवकक संघर्षपूर्ण जीवनगाथा अछि – स्पष्ट करू । 15
- (c) मैथिली कथा साहित्यक विकासमे 'कृति राजकमल'क योगदान स्पष्ट करू । 15
- Q8.** (a) मैथिली कथा साहित्यमे 'मणिपद्म'क 'बालगोविन' कथाक विशिष्ट स्थान प्राप्त छैक – स्पष्ट करू । 20
- (b) 'लोरिक-विजय' मे मिथिलाक माटि-पानि आ संस्कारक सम्पूर्ण सौन्दर्य ओ सौरभ उद्भाषित भए उठल अछि – एहि उक्तिक समीक्षा करैत 'लोरिक-विजय'क औपन्यासिक वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ । 15
- (c) राजकमलक कथा ने हुनक चारित्रिक विशेषता कोनहु ने कोनहु रूप मे अवश्य भेटत – एहि कथन पर विचार करू । 15

